MARJ-08

June - Examination 2026
M.A. (Final) Examination
RAJASTHANI
राजस्थानी भक्ति साहित्य
Paper : MARJ-08

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– औ प्रश्न–पत्र तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौड़ा है। हरेक खंड रै आगै दियौड़ा निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ पड़ूत्तर देवणौ जरूरी है। आपरै उत्तर री सबद सींव अेक सबद, अेक वाक्य, कै अधिकतम **30** सबदां तांई हुय कै। हरेक सवाल **2** अंक रौ है।

1. (i) भक्ति भाव रो सबसूं पैलो लेख किण ग्रंथ मांय मिलै?

(ii) 'पुष्टि मार्ग' री थरपणा कुण करी?

(iii) किणी दो राजस्थानी भगत कवियां रा नांव बतावौ।

(iv) वल्लभ सम्प्रदाय रा प्रवर्तक रो नांव लिखौ।

(v) भगत कवि अग्रहास री दो रचनावां रा नांव लिखो।

(vi) संत हरिदास किण संत सम्प्रदाय री थरपणा करी?

(vii) 'वागड़ री मीरां' किण भगत कवयित्री नै कैयो जावै?

(viii) कृष्ण भगती काव्य 'नागदमण' रा रचयिता रो नांव लिखो।

खण्ड–'ब' 4×8=32

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं **किणी चार** सवालां रा पडूत्तर अधिकतम **200** सबदां री सींव मांय देवणा है। हरेक सवाल **8** अंक रौ है।

2. भगती आंदोलन रै उद्‌भव रा प्रमुख कारणां री विवेचना करो।

3. सगुण भक्ति रो अरथ स्पष्ट करता थकां प्रमुख राजस्थानी सगुण भगत कवियां री जाणकारी करावौ।

4. नाथ सम्प्रदाय सूं जुड़ी जाणकारी उजागर करो।

5. निम्बार्क सम्प्रदाय मांय प्रचलित भगती रै सरूप री जाणकारी करावौ।

6. लालदासी पंथ रा प्रवर्तक री जाणकारी देवता थकां इण सम्प्रदाय री विसेसतावां रो विवरो देवौ।

7. आई पंथ बाबत आपरी जाणकारी उजागर करो।

8. लोक देवता मल्लीनाथ रो जीवन–परिचै उजागर करो।

9. करणी माता सूं जुड़ी जाणकारी उजागर करो।

खण्ड–'स' 2×16=32

(निबंधात्मक सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं **किणी दो** सवालां रा पडूत्तर अधिकतम **500** सबदां री सींव मांय देवणा है। हरेक सवाल **16** अंक रौ है।

10. ''गौड़ीय सम्प्रदाय'' बाबत विस्तार सूं जाणकारी करावौ।

11. राजस्थानी संत सम्प्रदायां बाबत विस्तार सूं विवेचना करो।

12. निर्गुण भक्ति काव्य री विसेसतावां नै विस्तार सूं समझावौ।

13. राजस्थानी लोक–देवियां माथै आपरी जाणकारी उजागर करो।
